हिंदी साहित्य परिषद

2022 -2023

दिनांक-14 सितंबर 2022

कार्यक्रम-हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी सप्ताह महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय भारतीय भाषाओं की एकात्मकता में हिंदी की भूमिका।

स्थान- माता गुजरी हॉल

समय- प्रातः 11:00 बजे

संगोष्ठी का प्रथम सत्र- हिंदी दिवस के अवसर पर माता सुंदरी कॉलेज फॉर वूमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, हिंदी विभाग तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, दिल्ली प्रांत के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय भाषाओं की एकात्मकता में हिंदी की भूमिका विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन के प्रथम सत्र का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ हरप्रीत कौर तथा मुख्य अतिथि डॉ डॉक्टर अतुल कोठारी , प्रो कुमुद शर्मा के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। तत्पश्चात छात्राओं के द्वारा कॉलेज प्रार्थना का गायन हुआ। आयोजन का प्रारंभ विभागाध्यक्ष डॉ पूनम शर्मा ने गुरु शिष्य परंपरा के महत्त्व तथा हिंदी को भारतीय अस्मिता तथा सांस्कृतिक विरासत की वाहक बताते हुए प्राचार्य को मुख्य अतिथियों का स्वागत करने के लिए आमंत्रित किया। सभी वक्ताओं ने समवेत स्वर में भारतीय भाषाओं की एकात्मता में हिंदी के सख्य भाव को स्वीकार किया। प्रोफेसर कुमार शर्मा ने जोर देकर कहा कि भारतीय भाषाओं की रूप संरचना एक अलग हो सकती है, लिपि अलग हो सकती है, लेकिन सभी भाषाओं की समाजिक जाति चेतना एक ही है। लेकिन व्यवहारिक स्तर पर भाषाओं की एकता के बावजूद भी हिंदी बार-बार राजनीतिक हथियार की तरह प्रयोग की जा रही है। जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। डॉ अतुल कोठारी जी ने सभा में मौजूद सभी लोगों से हिंदी में हस्ताक्षर करने की अपील की।

संगोष्ठी का द्वितीय सत्र- संगोष्ठी के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉ ऐश्वर्या झा ने की तथा इस सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर नीलम राठी हिंदी के सार्वदेशिक स्वभाव पर विस्तार से अपनी बात रखते हुए पर्यावरण से भी जुडने का आग्रह किया। साथ ही छात्र एवं छात्राओं ने अपना प्रपत्र पड़ा। भारतीय भाषाओं की रूप संरचना अलग हो सकती है, लिपि अलग हो सकती है, लेकिन सभी भाषाओं की

सामाजिक और जातिय चेतना एक ही है और सभी भाषाओं का स्रोत एक ही है। सभी भाषाओं का स्रोत एक ही है। सभी भाषाएं एक ही पौराणिकता से प्रभावित है। हमारी राष्ट्रीय एकता में हिंदी की भूमिका अहम तो है लेकिन कुछ संशय भी है। संगोष्ठी के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ पूनम शर्मा ने वहां मौजूद सभी श्रोताओं तथा वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

संगोष्ठी के दौरान ली गई तस्वीरें-

दिनांक- 15 सितंबर 2022

कार्यक्रम-हिंदी सप्ताह महोत्सव के अंतर्गत साहित्यिक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

स्थान- माता गुजरी हॉल

समय- प्रातः 10:00 बजे

हिंदी विभाग के द्वारा साहित्यिक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विभाग की छात्राओं ने इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। साहित्यिक रंगोली प्रतियोगिता में 7 समूहों ने भाग लिया जिसमें प्रत्येक समूह में 5 छात्राएं थी तथा रंगोली बनाने के लिए सभी समूहों को एक घंटे का समय दिया गया था सभी समूहों ने रंगोली के माध्यम से साहित्य को बहुत ही सुंदर तरह से दर्शाया।

प्रतियोगिता के दौरान ली गई तस्वीरें-

दिनांक -16 सितंबर 2022

कार्यक्रम -हिंदी सप्ताह महोत्सव के अंतर्गत आशु निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

स्थान - कक्ष संख्या- 309

समय- प्रातः 9:00 बजे

प्रतियोगिता में विभाग की 14 छात्राओं ने भाग लिया तथा निबंध का विषय प्रतियोगिता के समय ही दिया गया। निबंध का विषय "वैश्विक पटल पर हिंदी के बढ़ते कदम" था।

प्रतियोगिता के दौरान ली गई तस्वीरें-

दिनांक-19 सितंबर 2022

कार्यक्रम-हिंदी विभाग और आइ.क्यू.ए.सी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित अंतर विभागीय व्याख्यान।

वक्ता - डॉ इकबाल कौर, पंजाबी विभाग, माता सुंदरी महाविद्यालय।

स्थान - कक्ष संख्या -112

समय- दोपहर 12:00 बजे

व्याख्यान में मुख्य तौर पर मिथक पर चर्चा की गई। वक्ता डॉक्टर इकबाल कौर जी ने अपनी बात की शुरुआत एक सुंदर कविता से की तथा आधुनिक काल में कवियों के विषय में बताते हुए महिलाओं तथा बेटियों के विषय पर चर्चा की। मिथ के विषय में गहराई से चर्चा करते हुए बताया कि मिथ जिस भाषा में लिखा है वह उस पर से पार हो जाती है तथा कथाओं के साथ हमारी धार्मिक भावनाएं जुड़ी होती है जिससे कि हमारा विश्वास इसमें और गहरा हो जाता है। मिथ एक विशेष वर्ग के साथ जुड़े होते हैं। कर्म को ही धर्म माना गया है इस बात के साथ वक्ता डॉ इकबाल कौर जी अपनी वाणी को विराम दिया। अंत में विभाग की प्रभारी डॉ पूनम शर्मा जी ने डॉ इकबाल कौर जी का आभार व्यक्त किया।

व्याख्यान के दौरान ली गई तस्वीरें-

दिनांक - 20 सितंबर 2022

कार्यक्रम -हिंदी हस्ताक्षर अभियान

स्थान- कॉलेज कैंपस

समय - प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

हिंदी को दैनिक रूप से प्रयोग में लाने के लिए हिंदी हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य हिंदी को ना केवल पाठ्यक्रम की भाषा के तौर पर बल्कि दैनिक रूप से जीवन में जोड़ने के लिए किया गया। कॉलेज की सभी छात्राओं तथा प्राध्यापकों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अभियान के दौरान ली गई तस्वीरें-

दिनांक-20 सितंबर 2022

कार्यक्रम-हिंदी सप्ताह महोत्सव के अंतर्गत लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

स्थान -कॉलेज ऑडिटोरियम

समय-12:30 बजे

लोक नृत्य प्रतियोगिता- हिंदी सप्ताह के अंतिम दिन लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग की 10 छात्राओं ने भाग लिया तथा भारत के विभिन्न लोक नृत्य को बहुत ही सुंदर तरह से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के अंत में अध्यापिका डॉक्टर लक्ष्मी जी ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की तथा हिंदी सप्ताह महोत्सव के अंतर्गत अब तक की गई सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित करें। विजेताओं को सम्मानित किया तथा बाकी सभी प्रतिभागियों और विभाग की छात्राओं का उत्साह बढ़ाते हुए आगे इसी तरह सभी कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता के दौरान ली गई तस्वीरें-